व्यापार की योजना

पर

आय सृजन गतिविधि

– वर्मीकम्पोस्टिंग

के लिए

स्वयं सहायता समूह –जय शिव शंकर

एसएचजी/सीआईजी नाम	जय शिव शंकर
वीएफडीएस नाम	गद्दीधार
रेंज	कमलाह
मंडल	जोगिंदर नगर

गड्ढे का आकार: 5 मीटर x 1.5 मीटर x 0.75 मीटर
के तहत तैयार

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना
(जेआईसीए सहायता प्राप्त)

विषयसूची

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ क्रमांक.
1.	परिचय	3-4
2.	विवरणएसएचजी/सीआईजी का	4
3.	लाभार्थियोंविवरण	5
4.	भौगोलिकगांव का विवरण	5
5.	बाजार की संभावना	6
6.	कार्यकारिणीसारांश	7
7.	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
8.	उत्पादन प्रक्रिया का विवरण	7-9
9.	स्वोट अनालिसिस	9-10
10.	विवरणसदस्यों के बीच प्रबंधन का	10
11।	विवरणअर्थशास्त्र का	11-13
12.	स्वयं सहायता समूह में निधि प्रवाह व्यवस्था	13-14
13.	निधि के स्रोत	14
14.	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	14
15.	ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना	14
16.	किनाराकर्ज का भुगतान	15
17.	निगरानीतरीका	15
18.	टिप्पणी	15
19.	समूह सदस्य की तस्वीरें	16
20.	समूह फोटो	17
21.	संकल्प-सह-समूह सर्वसम्मति प्रपत्र	18
22.	वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यावसायिक अनुमोदन	19

1. परिचय

अर्ध-व्यावसायिक इकाई में साधारण ईंटों से बने वर्मीकम्पोस्टिंग टैंक। वर्मीकम्पोस्टिंग के मॉडल में एक दीवार से घिरे तीन कक्ष होते हैं और एक कक्ष का आकार (1.5 मीटर चौड़ाई, 5 मीटर लंबाई और 0.75 मीटर ऊँचाई) एक गड्ढे में तीन कक्षों के साथ होता है। दीवारें अलग-अलग सामग्रियों जैसे सामान्य ईंटों, खोखली ईंटों से बनी होती हैं। इस मॉडल में छोटे छिद्रों वाली विभाजन दीवारें होती हैं, ताकि केंचुओं को एक कक्ष से दूसरे कक्ष में आसानी से ले जाया जा सके। प्रत्येक कक्ष के एक कोने में हल्की ढलान के साथ एक आउटलेट प्रदान करने से अतिरिक्त पानी के संग्रह की सुविधा मिलती है, जिसे बाद में पुन: उपयोग किया जाता है या फसल पर केंचुओं के रिसाव के रूप में उपयोग किया जाता है। एक टैंक के तीन घटक एक के बाद एक पौधों के अवशेषों से भरे जाते हैं। पहले कक्ष को परत दर परत गाय के गोबर से भरा जाता है और फिर केंचुओं को छोड़ा जाता है। फिर दूसरे कक्ष को परत दर परत भरा जाता है। एक बार जब पहले कक्ष की सामग्री संसाधित हो जाती है तो केंचुए कक्ष 2 में चले जाते हैं, जो पहले से ही भरा हुआ होता है और केंचुओं के लिए तैयार होता है। इससे पहले कक्ष से सड़ी हुई सामग्री को इकट्ठा करना आसान हो जाता है और कटाई और केंचुओं को डालने के लिए श्रम की भी बचत होती है। इस तकनीक से श्रम लागत कम होती है और पानी के साथ-साथ समय की भी बचत होती है।

विभिन्न आयु वर्ग की 10 महिलाओं का एक समूह जेआईसीए परियोजना के अंतर्गत एक स्वयं सहायता समूह बनाने के लिए एक साथ आया और एक व्यवसाय योजना तैयार करने का निर्णय लिया, जो उन्हें इस आईजीए को सामूहिक रूप से लेने और अपनी अतिरिक्त आय बढ़ाने में मदद कर सके।

इस आईजीए (आय सृजन गतिविधि) में शामिल होने से पहले बाजार की संभावनाओं और विभिन्न पहलुओं पर बहुत सावधानी से चर्चा करने के बाद और इसके अलावा नर्सरियों में उपयोग के लिए एसएचजी द्वारा उत्पादित अच्छी गुणवत्ता वाले वर्मी कम्पोस्ट की खरीद के लिए वन विभाग के रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर और एसएचजी के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। जय शिव शंकर एसएचजी का गठन वर्ष 2021 में किया गया था और इसे हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका (जेआईसीए असिस्टेड) के सुधार के लिए परियोजना के तहत भी शामिल किया गया है, जो वीएफडीएस गद्दीधार के अंतर्गत आते हैं। इस एसएचजी में 8 महिलाएं हैं। ये महिलाएं इस परियोजना के वित्तपोषण, प्रशिक्षण और सहायता की मदद से इस कौशल को विकसित करेंगी और पेशेवर बनेंगी। वे बड़े पैमाने पर केंचुआ खाद बेच सकेंगी और आत्मनिर्भर बनकर आय उत्पन्न कर सकेंगी। इस एसएचजी की विस्तृत व्यवसाय योजना इसकी निवेश क्षमता, विपणन और प्रचार रणनीति के अनुसार तैयार की गई है

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1.	एसएचजी/सीआईजी नाम	जय शिव शंकर
2.	वीएफडीएस	गद्दीधार
3.	रेंज	कमलाह
4.	मंडल	जोगिंदर नगर
5.	गाँव	साधोती
6.	ब्लॉक ऑफिस	सरकाघाट
7.	ज़िला	मंडी
8.	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	10
9.	गठन की तिथि	नवंबर-2021
10.	बैंक खाता सं.	33210101143
11।	बैंक विवरण	एचपीएससीबी और आईएफएससी: hpsc0000332
12.	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	1000 (100प्रति व्यक्ति)
13.	कुल बचत	11459
14.	कुल अंतर ऋण	-
15.	नकद क्रेडिट सीमा	-
16.	पुनर्भुगतान स्थिति	-

3. लाभार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	एम/एफ	पिता/ पति का नाम	वर्ग	पद का नाम	संपर्क नंबर।
1	रेखा देवी	एफ	संजीव कुमार	सामान्य	अध्यक्ष	8626865695
2	रुचिका	एफ	विनोद कुमार	सामान्य	सचिव	9817405998
3	सीमा देवी	एफ	प्रदीप कुमार	सामान्य	सदस्य	9816532284
4	सुनीता देवी	एफ	रमेश चंद	सामान्य	सदस्य	
5	रजा देवी	एफ	कश्मीर चांद	सामान्य	सदस्य	8894935206
6	निशा देवी	एफ	प्रताप चंद	सामान्य	सदस्य	9817241893
7	प्रिया देवी	एफ	राज कुमार	सामान्य	सदस्य	8894182872

8	पूजा देवी	एफ	सुनील कुमार	अनुसूचित जनजाति	सदस्य	7018356799
9	पिंकी देवी	एफ	कृष्ण चंद		सदस्य	7650850709
10	सूमा देवी	एफ	राम चंद		सदस्य	7650043500

4. गांव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	120 किमी
2	मुख्य सड़क से दूरी	2 किमी
3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	गद्दीधार 5 किमी
4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	तिहरा 6 किमी
5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	मंडी 120 किमी सरकाघाट 35 किमी धरमपुर 25 किमी सैंडहोल 25 किमी
6	मुख्य शहरों का नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणन किया जाएगा	सरकाघाट, धरमपुर, संधोल, अवाह देवी

5. बाजार की संभावना

कृषि में रासायनिक खादों के पूरक और प्रतिस्थापन के रूप में वर्मीकम्पोस्ट एक महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में उभर रहा है। वर्मीकम्पोस्ट, जिसे 'किसानों का मित्र' भी कहा जाता है, का उपयोग सामान्य फसलों और बागानों में किया जाता है। यह टिकाऊ कृषि और बंजर भूमि विकास के लिए एक मूल्यवान इनपुट है। यह वृद्धि को बढ़ावा देता है और पौधों की वृद्धि के लिए आवश्यक हार्मोन प्रदान करने में सहायक है। किसानों के बीच वर्मीकम्पोस्ट की बहुत मांग है क्योंकि इसके उपयोग से कृषि उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ती है और इसकी कीमत भी सस्ती होती है। इसका उपयोग गमलों में और घरेलू बगीचों में भी व्यापक रूप से किया जाता है। इसके अलावा, कृषि, वन और बागवानी सहित कई सरकारी विभाग इसे थोक में खरीदते हैं। सरकारी एजेंसियां और गैर सरकारी संगठन ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान और फिल्म शो आयोजित करके वर्मी-कम्पोस्ट का उपयोग करके जैविक कृषि को लोकप्रिय बना रहे हैं। अच्छी गुणवत्ता वाले वर्मी-कम्पोस्ट का उत्पादन करने का कौशल सीखने के बाद, जय शिव शंकर एसएचजी वन विभाग की नर्सरियों और निजी नर्सरियों को लक्षित करेगा। रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैविक खाद का उपयोग करने और जैविक खेती को बढ़ावा देने के लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता के साथ बाजार की बहुत संभावना है।

1	संभावित बाज़ार स्थान/स्थान	मन्योह, धर्मपुर नर्सरी और खुले बाजार में भी उपलब्ध है।

2	वर्मीकम्पोस्ट की मांग	साल भर।
3	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/परिवारों/संस्थाओं/वन विभाग से संपर्क करेंगे।
4	विपणन रणनीति	स्वयं सहायता समूह के सदस्य सीधे तौर पर आस-पास के ग्रामीणों/परिवारों/सरकारी विभागों से ऑर्डर लेंगे (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर)।

6. कार्यकारी सारांश

इस स्वयं सहायता समूह द्वारा वर्मीकंपोस्टिंग (आय सृजन गतिविधि) का चयन किया गया है। इस IGA को इस SHG की सभी महिलाओं द्वारा व्यक्तिगत गड्ढे बनाकर चलाया जाएगा। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा सालाना की जाएगी। सदस्यों के बीच श्रम के विभाजन की सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई है क्योंकि वे व्यक्तिगत रूप से काम कर रहे हैं ताकि प्रत्येक IGA को मजबूत करने में योगदान दे और परिणामस्वरूप उनकी जेब में अतिरिक्त पैसा आए। यह SHG आने वाले वर्षों में अपने संचालन के क्षेत्र में अच्छी गुणवत्ता वाले वर्मीकंपोस्ट के साथ सबसे प्रसिद्ध वर्मीकंपोस्ट केंद्र बनना सुनिश्चित करेगा।

7. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

1	उत्पाद का नाम	वर्मी कम्पोस्ट
2	उत्पाद पहचान की विधि	समूह के सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया है
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

8. उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण

- **वर्मीकम्पोस्टिंग सामग्री:**पशु मलमूत्र, रसोई का कचरा, खेत के अवशेष और जंगल के कूड़े जैसे अपघट्य जैविक अपशिष्टों का उपयोग आमतौर पर खाद बनाने वाली सामग्री के रूप में किया जाता है। आम तौर पर, पशुओं का गोबर (ज्यादातर गाय का गोबर) और सूखे कटे हुए फसल अवशेष मुख्य कच्चे माल होते हैं। फलीदार और गैर-फलदार फसल अवशेषों का मिश्रण वर्मीकम्पोस्ट की गुणवत्ता को समृद्ध करता है। लाल केंचुआ (ईसेनिया फेटिडा) केंचुओं की पसंदीदा प्रजाति है क्योंकि इसकी उच्च गुणन दर है और इस प्रकार यह 45-50 दिनों के भीतर कार्बनिक पदार्थों को वर्मिन-कम्पोस्ट में बदल देता है। चूंकि यह सतह पर फ़ीड करता है, इसलिए यह ऊपर से कार्बनिक पदार्थों को वर्मिन-कम्पोस्ट में बदल देता है।

- **वर्मीकम्पोस्ट तैयार करने की प्रक्रिया:**वर्मीकंपोस्टिंग या तो बिस्तर या गड्ढे विधि द्वारा किया जाता है। बिस्तर विधि में जैविक मिश्रण का बिस्तर बनाकर पक्के / कच्चे फर्श पर खाद बनाई जाती है, जबकि गड्ढे विधि में सीमेंटेड गड्ढों में खाद बनाई जाती है।

  • वर्मीकम्पोस्टिंग इकाई ठंडी, नम और छायादार जगह पर होनी चाहिए

  • गाय का गोबर और कटी हुई सूखी पत्ती वाली सामग्री को 3: 1 के अनुपात में मिलाया जाता है और 15-20 दिनों तक आंशिक विघटन के लिए रखा जाता है। • कटे हुए सूखे पदार्थ की 15-20 सेमी परत पत्तियों/घास को बिस्तर के नीचे बिस्तर सामग्री के रूप में रखा जाना चाहिए।

  • आंशिक रूप से विघटित सामग्री के 5x5x2.5 फीट आकार के बिस्तर बनाए जाने चाहिए।

  • प्रत्येक बेड में 3-4.0 क्विंटल कच्चा माल होना चाहिए तथा कच्चे माल की उपलब्धता और आवश्यकता के अनुसार बेडों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।

  • लाल केंचुए (1500-2000) को बिस्तर की ऊपरी परत पर छोड़ा जाना चाहिए। • कीड़ों के निकलने के तुरंत बाद पानी का छिड़काव करना चाहिए

  • क्यारियों को प्रतिदिन पानी छिड़ककर तथा बोरे/पॉलीथीन से ढककर नम रखा जाना चाहिए।

  • वायु संचार बनाए रखने और उचित अपघटन के लिए बिस्तर को 30 दिनों के बाद एक बार पलटना चाहिए।

  • खाद 45-50 दिनों में तैयार हो जाती है। तैयार उत्पाद कच्चे माल का 3/4 होता है।

- **कटाई:**जब कच्चा माल पूरी तरह से सड़ जाता है तो वह काला और दानेदार दिखाई देता है। खाद तैयार होने पर पानी देना बंद कर देना चाहिए। खाद को आंशिक रूप से सड़ी हुई गाय के गोबर के ढेर पर रखना चाहिए ताकि केंचुए खाद से गोबर में चले जाएं। दो दिन बाद खाद को अलग करके छानकर इस्तेमाल किया जा सकता है।

1	समय लिया	यह माना जाता है कि पहले वर्ष में उत्पादन के लगभग 3-4 चक्र होंगे और बाद के वर्षों में 5-6 चक्र होंगे, जिनमें से प्रत्येक चक्र की अवधि लगभग 65-70 दिन होगी।
2	शामिल महिलाओं की संख्या	सभी महिलाएं
3	कच्चे माल का स्रोत	पशु मलमूत्र, रसोई अपशिष्ट, कृषि अवशेष और वन कूड़ा।
4	अन्य संसाधनों का स्रोत	पशु मलमूत्र, रसोई अपशिष्ट, कृषि अवशेष और वन कूड़ा।
5	प्रति चक्र अपेक्षित उत्पादन	8 गड्ढों से प्रति चक्र 80 क्विंटल (प्रत्येक गड्ढे से 10 क्विंटल)
6	प्रति वर्ष अपेक्षित उत्पादन	240 क्विंटल प्रति वर्ष।

9. स्वोट अनालिसिस

❖ **ताकत**

- उनके खेतों पर कच्चा माल आसानी से उपलब्ध है।
- विनिर्माण प्रक्रिया सरल है □
- उचित पैकिंग और परिवहन में आसान □
- परिवार के अन्य सदस्य भी लाभार्थियों का सहयोग करेंगे
- उत्पाद का स्वयं-जीवन लंबा है।
- भारतीय किसानों के सामने बांझपन और मृदा अपरदन मुख्य समस्याएं हैं, वर्मी कम्पोस्ट के उपयोग से मृदा संरचना, बनावट, वायु संचार, जल धारण क्षमता में सुधार होता है तथा मृदा अपरदन को रोका जा सकता है।
- यह आसानी से अपनाई जाने वाली कम लागत वाली प्रौद्योगिकी है।
- रासायनिक उर्वरकों की तुलना में सस्ती कीमत।
- इस खाद का उपयोग करके तैयार की गई फसलों की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बहुत मांग है। इस फसल की बिक्री कीमत भी अच्छी मिलती है।
- मीडिया राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वर्मी-कम्पोस्ट के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा कर रहा है

❖ **कमजोरी**

- तकनीकी जानकारी का अभाव।
- विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
- प्रारंभिक स्तर पर इसके प्रयोग से उत्पादन लागत बढ़ जाती है।
- लोगों में जागरूकता कम है।
- उत्पादन के प्राकृतिक तरीके के कारण, हम उत्पादन समय को कम नहीं कर सकते।

❖ **अवसर**

- जैविक और प्राकृतिक खेती के प्रति किसानों में जागरूकता के कारण वर्मी कम्पोस्ट की मांग बढ़ रही है।
- एचपी वन के साथ विपणन गठजोड़ की संभावना।
- घरेलू रसोई से बचे हुए कचरे सहित जैविक कचरे का सर्वोत्तम उपयोग।
- लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति अधिक चिंतित हैं इसलिए वे जैविक भोजन खाना चाहते हैं।
- देश के शहरों में सैकड़ों टन बायोडिग्रेडेबल जैविक कचरा फेंका जा रहा है, जिससे निपटान की समस्या पैदा हो रही है। इस कचरे को कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल करके मूल्यवान खाद में बदला जा सकता है।
- इस इकाई को शुरू करने के लिए किसानों को सरकार द्वारा वैध समर्थन।
- बाजार में प्रतिस्पर्धियों की अनुपस्थिति उत्पादकों के लिए एक बड़ा अवसर हो सकता है।

- राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक दायरा।

❖ **खतरे और जोखिम**

- प्रतिस्पर्धी बाजार
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण और कौशल उन्नयन में भागीदारी के प्रति लाभार्थियों में प्रतिबद्धता का स्तर।
- अत्यधिक मौसम की स्थिति के कारण उत्पादन चक्र टूटने की संभावना।
- कुछ छोटे खिलाड़ियों ने इसकी प्रारंभिक अवस्था में ही इसकी छवि को बिगाड़ दिया है।
- 90% किसान रासायनिक खाद का उपयोग कर रहे हैं। किसान अपनी खेती को जैविक बनाने के लिए पहल नहीं करते।

10. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

- **उत्पादन -**इसका ध्यान व्यक्तिगत सदस्यों द्वारा रखा जाएगा, जिनमें शामिल हैं कच्चे माल की खरीद
- **गुणवत्ता आश्वासन**– सामूहिक रूप से
- **सफाई और पैकेजिंग**– सामूहिक रूप से
- **विपणन**– सामूहिक रूप से
- **इकाई की निगरानी**– सामूहिक रूप से

11. अर्थशास्त्र का विवरण

A. पूंजीगत लागत				
क्रमांक।	**आइटम का विवरण**	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**मात्रा**
	भूमि और भवन			
1	ईंट से बने तल और प्लेटफार्म के साथ खुला शेड, आरसीसी / एमएस पाइप पोस्ट और ट्रस और छप्पर / एचडीपीई / स्थानीय रूप से उपलब्ध छत (@ 1000/एम2) के लिए: गड्ढे का आकार - 5 मीटर x1.5 मीटर x0.75 मीटर			
एक।	वर्मी-कम्पोस्ट बेड (5 मी*1.5 मी*10 = 75 मी2 + 5 मी2 पथ/उपयोगिता = 80 मी2)	80	2000	160000
बी।	तैयार उत्पादों के लिए 10 m2	रास	रास	10000
	उप योग			**170000**
	उपकरण और मशीनरी			
1	फावड़े, कुदाल, बाल्टी, बांस की टोकरियाँ, कुदाल,	10	2000	20000
4	3 तार जाल छलनी के साथ हस्त संचालित छलनी - 0.6 m x 0.9 m आकार।	10	1000	10000
5	डिजिटल वजन मशीन	1	4000	4000

7	बैग सीलिंग मशीन	1	6000	6000
8	कल्चर ट्रे (प्लास्टिक) (35 सेमी x 45 सेमी) - 1 नग	1	600	600
	उप योग			**40600**
	पानी का प्रावधान - पानी का डिब्बा	10	1000	**10000**
	केंचुए (@1 किलोग्राम प्रति m3 और @`300/किग्रा, कुल उपयोगित बिस्तर मात्रा = 36m3)	40	300	**12000**
	कुल पूंजी लागत			**232600**

B. आवर्ती लागत				
क्रमांक।	**आइटम का विवरण**	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**मात्रा**
1	कृषि अपशिष्ट (लागत, संग्रहण और परिवहन) @ 320 किग्रा प्रति मी3एवं रु.200/मीट्रिक टन (5*1.5*0.75*10*4*320*200/1000)	72	200	14400
2	गाय का गोबर (लागत, संग्रहण एवं परिवहन) @ 80 किग्रा/एम3 एवं रु.250/एमटी (5*1.5*0.75*10*4*80*250/1000)	18	250	4500
3	कृषि अपशिष्ट, गोबर और कीड़ों के साथ वर्मी बेड बनाने, पानी देने, हिलाने, कटाई, छनाई, पैकिंग आदि में दैनिक आधार पर श्रम मजदूरी, बैग की लागत सहित (250 mds[@ Rs.200/md)	5	10000	50000
4	मरम्मत और रखरखाव	10	1000	10000
5	बैग और पैकेजिंग की लागत	1078	25	26950
	कुल आवर्ती लागत			**105850**

नोट – समूह के सदस्य स्वयं कार्य करेंगे, इसलिए श्रम लागत इसमें शामिल नहीं की गई है तथा सदस्य आपस में कार्यसूची का प्रबंध करेंगे।

शुद्ध आवर्ती लागत = कुल आवर्ती लागत - श्रमिक मजदूरी
= 1050850-50000 = 55850

सी. उत्पादन लागत (मासिक)		
क्र. सं.	**विवरण**	**मात्रा**
1	कुल आवर्ती लागत	105850
2	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	10585
कुल =116435/-		

डी. विक्रय मूल्य गणना			
क्र. सं.	विवरण	इकाई	कीमत
1	विक्रय मूल्य प्रति क्विंटल	1 क्विंटल	800-1000

लागत लाभ विश्लेषण (चक्र)

लागत लाभ विश्लेषण (चक्र)		
क्र. सं.	विवरण	मात्रा
1	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	23260
2	शुद्ध आवर्ती लागत	55850
3	कुल बैग (50 किलोग्राम) प्रति वर्ष	1078
4	1 बैग का विक्रय मूल्य	लगभग 450 रु.
5	आय पीढ़ी	485100
6	शुद्ध लाभ (आय सृजन - शुद्ध आवर्ती लागत)	429250
7	शुद्ध लाभ का वितरण	✓ लाभ को मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। ✓ लाभ का उपयोग आईजीए में आगे निवेश के लिए किया जाएगा

12. स्वयं सहायता समूह में निधि प्रवाह व्यवस्था

क्र. सं.	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	232600	1,74,450	58,150
2	कुल आवर्ती लागत	105850	0	105850
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन।	50,000	50,000	0
कुल		**3,88,450**	**2,24,450**	**1,64,000**

टिप्पणी:

i) पूंजीगत लागत- 75% पूंजीगत लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी क्योंकि समूह महिलाओं का है और वे गरीब हैं और 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा हैं।

ii) आवर्ती लागत - स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।

iii) प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

13. निधि के स्रोत

परियोजना समर्थन	✧ यदि सदस्य सामान्य रेंज के अलावा अन्य रेंज के हैं तो परियोजना द्वारा पूंजी लागत का 75% वहन किया जाएगा। यदि सदस्य सामान्य रेंज के हैं तो परियोजना द्वारा पूंजी लागत का 50% वहन किया जाएगा। ✧ स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में 1 लाख रुपए तक की धनराशि जमा की जाएगी। ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। स्वयं सहायता समूहों को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।	मशीनों/उपकरणों की खरीद सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा की जाएगी।
एसएचजी योगदान	✧ सामान्य रेंज और अन्य श्रेणियों के लिए पूंजीगत लागत का 50% या 25% क्रमशः स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा। ✧ सभी सदस्य महिलाएं हैं और निम्न आय वर्ग से हैं तथा वे 25% योगदान दे सकती हैं तथा परियोजना को शेष 75% वहन करना होगा। ✧ आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।	

14. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- ✧ कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- ✧ गुणवत्ता नियंत्रण
- ✧ पैकेजिंग और विपणन
- ✧ वित्तीय प्रबंधन

15. ब्रेक-ईवन बिंदु की गणना

= पूंजीगत व्यय/(विक्रय मूल्य (प्रति बैग)-उत्पादन लागत (प्रति बैग))

=232600/ (450-250)=1163

इस प्रक्रिया में 1163 बैग के उत्पादन के बाद ब्रेक-ईवन हासिल किया जाएगा।

16. बैंक ऋण चुकौती

यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; तथापि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से प्राप्त की जानी चाहिए।

- ✧ सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- ✧ सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।
- ✧ परियोजना सहायता - 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी तथा यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। एसएचजी/सीआईजी को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।

17. निगरानी विधि

- ❖ वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक होने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- ❖ स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आईजीए की प्रगति और निष्पादन की समीक्षा करनी चाहिए तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- ✧ समूह का आकार
- ✧ निधि प्रबंधन
- ✧ निवेश
- ✧ आय पीढ़ी
- ✧ उत्पाद की गुणवत्ता

18. टिप्पणियाँ

सभी सदस्य महिलाएं हैं औरनिम्न आय वर्ग से संबंधित हैं और वे 25% योगदान कर सकते हैं परियोजना को शेष 75% राशि वहन करनी होगी।

19. समूह सदस्य फ़ोटो:

रेखा देवी

रुचिका

सीमा देवी

सुनीता देवी

राजा देवी

निशा देवी

प्रिया देवी

पूजा देवी

पिंकी देवी

सोमा देवी

20. **समूह फोटो:**

21. **संकल्प-सह-समूह-सहमति के लिएएम:**

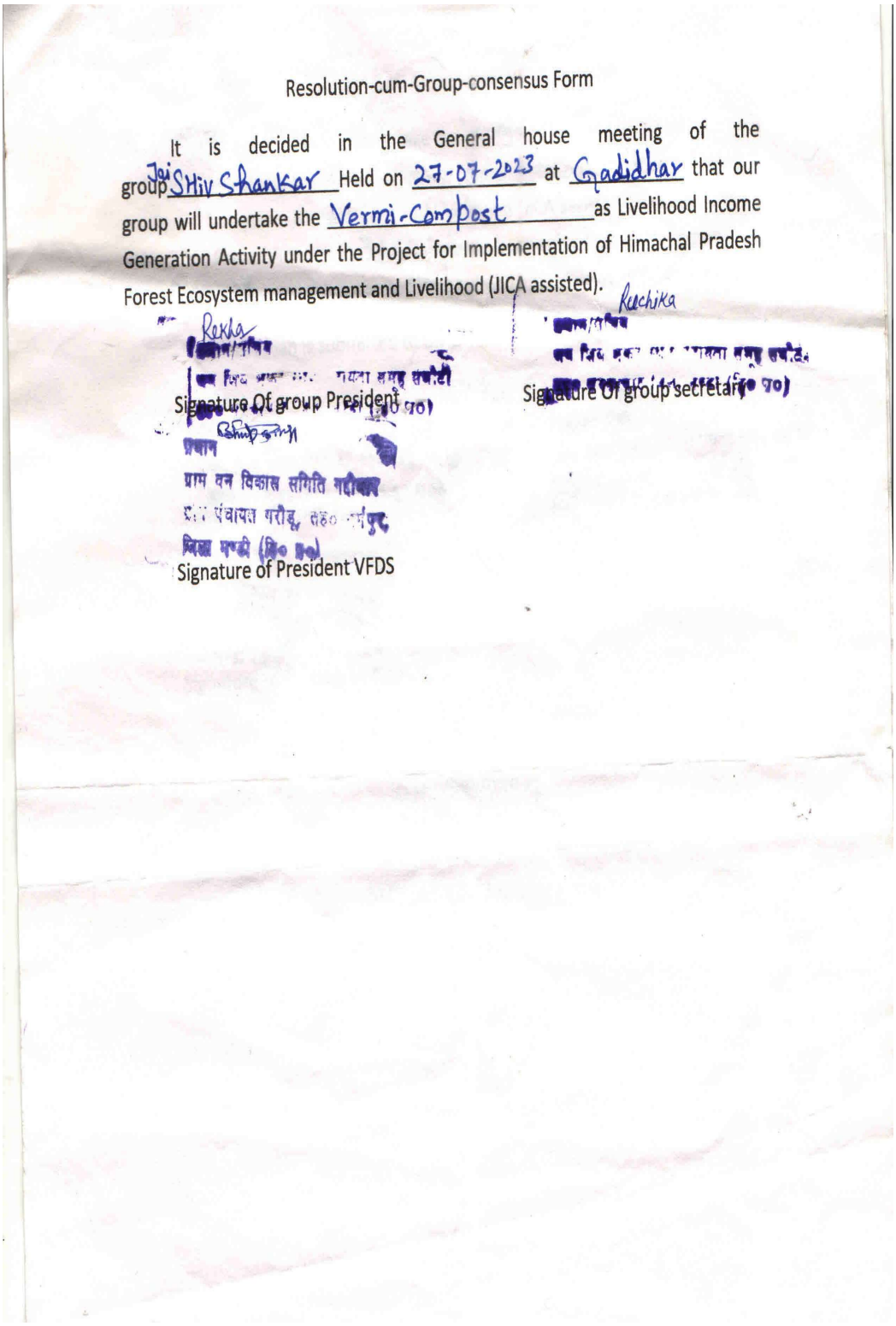

Resolution-cum-Group-consensus Form

It is decided in the General house meeting of the group Jai Shiv Shankar Held on 27-07-2023 at Gadidhar that our group will undertake the Vermi-Compost as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).

Rekha

Signature Of group President

Ruchika

Signature Of group secretary

Signature of President VFDS

22. वीएफडीएस और डीएमयू द्वारा व्यवसाय योजना अनुमोदन:

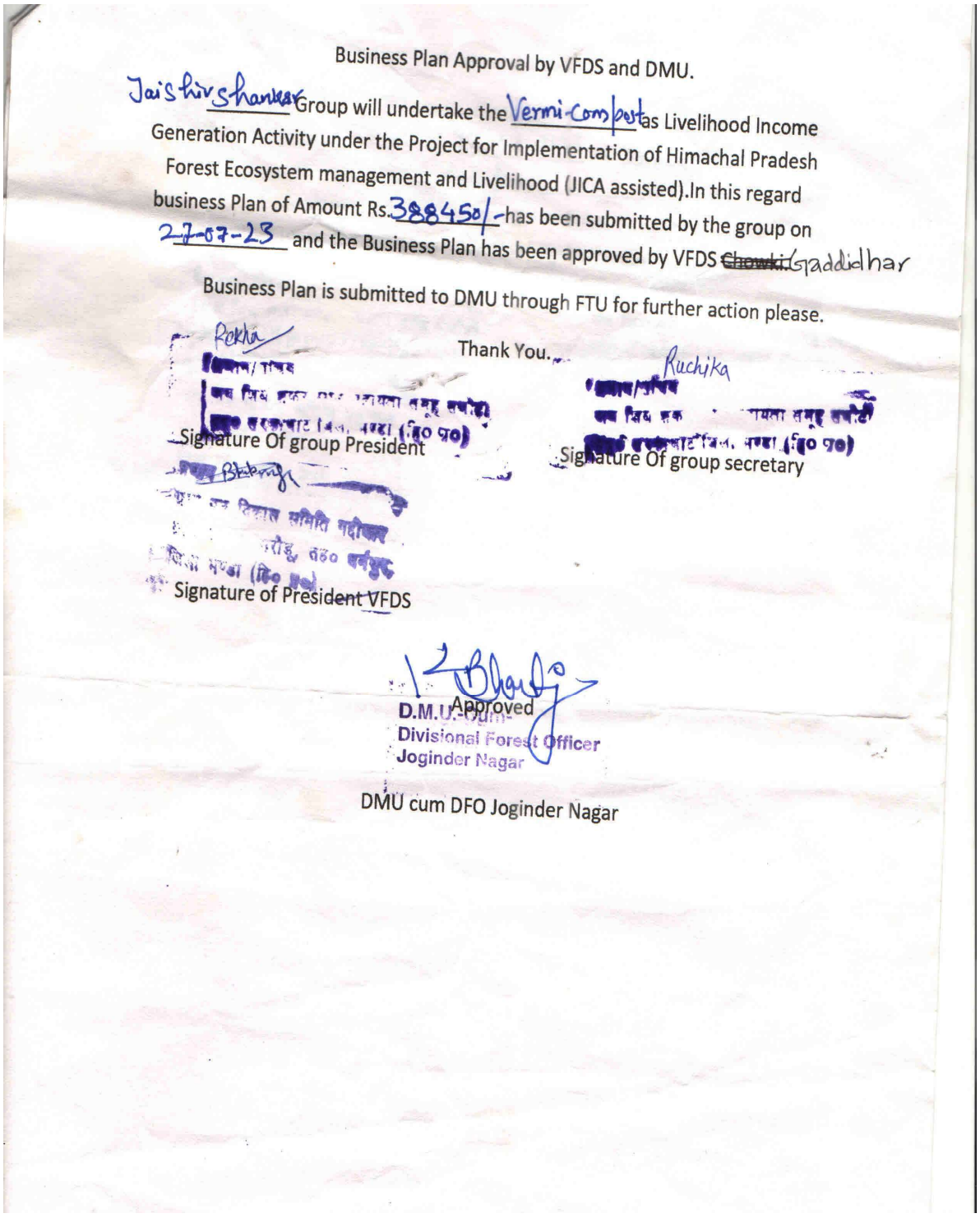

Business Plan Approval by VFDS and DMU.

Jaishivshankar Group will undertake the Vermi-compost as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Implementation of Himachal Pradesh Forest Ecosystem management and Livelihood (JICA assisted).In this regard business Plan of Amount Rs. 388450/- has been submitted by the group on 27-07-23 and the Business Plan has been approved by VFDS ~~Chowki~~ Gaddidhar

Business Plan is submitted to DMU through FTU for further action please.

Thank You.

Rekha

Ruchika

Signature Of group President

Signature Of group secretary

Signature of President VFDS

Approved

D.M.U.-cum-
Divisional Forest Officer
Joginder Nagar

DMU cum DFO Joginder Nagar